(1) 'घटकक पराभव' एकांकीक तेसर दृश्य मे पुनः विवाहक उद्देश्य लेल वर पक्षक लोक वधू के ओहिठाम जाइत छथि, आ ताहि कन्याक वर्णन।

: वर पक्षक लोक जरवाने सजाओल घर जाइत छथि। तँ ओहिठाम एकटा रूपवती सोलहे वर्षीय कादम्बरी अपन माथीक संग बैसल छथि। वर-पक्षक लोक के देखैत ओ उठि कऽ जाइत छथि, तकरा कन्यागत ओ संग मे छथि कहैत छथि बैसबाक लेल। वर पक्षक मध्य कपिलदेव मात्र इटा लोक छथि। कन्यागत युवक अपन भाउज आ भगिनीक परिचय वरपक्षक लोक सँ करबैत छथि।

वरपक्षक दिस सँ कन्या
के नाम संग शिक्षा आ घरक
चित्र देखैत चित्रक बारे मे
पूछैत अछि। जकरा कन्या
उचित रूपें जवाब दे वर पक्षके
कहैत छनि। संगहि कन्या एकता
रचना पढैत छनि ओहि मे सँ
एकता 'शब्दक' अर्थ वरपक्ष जानय
चाहैत छनि परञ्च ओ जवाब
नहि देलक। ओकर उपरान्त अपन
मातृभाषा मे सेहो सुनबैत छनि
कन्या। आओर संगहि हास
परिहास सँ होइत अछि। आ
अन्तोगत्वा कन्याक संग वर के
सेहो पूर्ण होयबाक चाहि तखनहि
जोड़ नीक होइत अछि।

मैथिली
एम.एल आर्य कॉलेज
22/4/2020